शिक्षण (सा) में स्नातक
(4) व्यावहारिक (अध्यापन-क)

1

Page No.
Date :

इकाई(क) पाठ योजना – अर्थ, महत्व एवं विशेषताएं :—

अध्यापक द्वारा शिक्षण से पूर्व विषयवस्तु का एक छोटा सा स्वरूप बना लिया जाता है जिसे वह किसी निश्चित कालांश में पढ़ाते है जिसे पूर्व योजना या पाठ योजना के नाम से जानते है। अध्यापन हेतु विषयवस्तु की सामग्री एवं रणनीति कक्षा प्रस्तुतीकरण की सफल बनाती है, ताकि कक्षा शिक्षण में कब क्या, कैसे व कितना आदि के संदर्भ में किसी प्रकार की शंका न हो। पाठ पढ़ाने के सामान्य और विशिष्ट उद्देश्य, पाठ्य-विषय संबंधित विद्यार्थियों का पूर्व ज्ञान, विषयवस्तु व शिक्षण की विधियाँ आदि बातों का पूरा विवरण जिन्हें अध्यापक कक्षा-शिक्षण द्वारा एक छोटे या कम अवधि में पूर्ण करना चाहते है, पाठ योजना में सन्निहित होती है।

पाठ योजना की परिभाषा:—

"पाठ योजना उस कथन का शीर्षक है जिसमें घंटे के समय में कक्षा-क्रियाओं द्वारा प्राप्त करने वाली उपलब्धियाँ और विशिष्ट साधनों का उल्लेख होता है।"

नेलसन बासिंग

दैनिक पाठ-योजना के निर्माण में उद्देश्यों को परिभाषित करना, पाठ्यवस्तु का चयन करना, क्रमबद्ध करना तथा प्रस्तुतीकरण की विधियों का निर्धारण करना प्रमुख है।

बिनिंग तथा बिनिंग

पाठ योजना के उद्देश्य :—

पाठ योजना के उद्देश्य निम्न प्रकार से हैं :—

(1) कक्षा में शिक्षण की क्रियाओं तथा सहायक सामग्री की पूर्ण जानकारी कराना।

(2) निर्धारित पाठ्यवस्तु के सभी तत्वों का विवेचन करना।

(3) कक्षा शिक्षण के समय शिक्षक के विस्मृति की संभावना कम होना।

(4) प्रस्तुतीकरण के क्रम में तथा पाठ्यवस्तु के रूप में निश्चितता की जानकारी कराना।

(5) शिक्षण अधिगम सहायक सामग्री के प्रयोग के स्थल, शिक्षण विधि तथा प्रविधियों का निर्णय करना।

Scanned with CamScanner

एक प्रभावी पाठ योजना की निम्नलिखित विशेषताएं है;—

(1) पाठ योजना एक कक्षा में प्रयोग में आनेवाली क्रिया की प्रस्तावित रूपरेखा है।

(2) कक्षा में पाठ योजना विधिवत लिखित रूप में होती है।

(3) पाठ योजना उद्देश्यों पर आधारित होती है।

(4) यह विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान पर आधारित होती है।

(5) पाठ योजना तैयार करते समय सभी शिक्षण सहायक सामग्री उसके यथास्थान पर अंकित किये जाते हैं।

(5) पाठ योजना में विषय संबंधित तथा विद्यार्थियों के वास्तविक ज्ञान संबंधित उदाहरणों का प्रयोग किया जाता है।

(6) पाठ योजना विद्यार्थियों के मानसिक स्तर तथा कालांश की अवधि को ध्यान में रखकर बनाये जाते हैं।

(7) पाठ योजना समग्र मूल्यांकन का अवसर देती है।

(8) अर्जित ज्ञान का उचित प्रयोग करना सिखाने हेतु गृहकार्य की व्यवस्था को बढ़ावा देती है।

Scanned with CamScanner